

# ऑफबीट कोर्स क्यों है हिचक

परंपरागत करियर से हट कर नए, ऑफबीट कोर्सेज को लेकर आज भी अभिभावकों तथा छात्रों में यह भ्रम है कि इन कोर्स को करने में रिस्क है, नौकरी का कोई ठिकाना नहीं है कि मिलेगी या नहीं। इस भ्रम को लेकर शैलेंद्र नेगी ने करियर काउंसलर्स से बात की, जिनकी राय इस प्रकार है।



हमें ऑफ बीट करियर के बारे में अपना तजरिया बदलना चाहिए। यहाँ डेटो संभावनाएं छिपी हुई हैं।

आधुनिक वैधानी करियर काउंसलर और साइकोमेट्रियन, नेत करियर गाइड डॉट कॉम

बच्चा पैदा हुआ नहीं कि घर वाले उसका भविष्य निर्धारित करने में लग जाते हैं। कोई सोचता है डॉक्टर बनेगा, कोई इंजीनियर तो कोई आईएस बनने और बनाने के सपने देखने लगता है। यह कहना है मेग करियर गाइड डॉट कॉम की करियर काउंसलर और साइकोमेट्रियन आधुनिका नैथानी का। काउंसलिंग के दौरान देखा गया है कि आमतौर पर छात्र और उनके माता-पिता आज भी उन परंपरागत कोर्सेज में उलझे हुए हैं, जो वर्षों से उनकी पीढ़ियों पढ़ती आई हैं। वे इन परंपरागत कोर्सों के लिए अपने आप को दिमागी रूप से इस कदर तैयार कर लेते हैं कि अगर एडमिशन नहीं हुआ तो डीक, अन्यथा वे किसी मानसिक बीमारी का शिकार तक हो सकते हैं।

किसी भी प्रोफेशन को लेकर इस तरह का खका आपके और बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर आपका बच्चा ऑफ बीट यानी गैर परंपरागत कोर्सों की तरफ जाना चाहता है तो उसका पूरा साथ दीजिए।

### वया है मानसिकता

ऑफ बीट कोर्सेज को लेकर अभिभावकों और बच्चों के मन में इस तरह की हिचक क्यों है? इस सवाल को हमने माक्स कंसल्टेंसी के हेड करियर काउंसलर सुमित बसु के सामने रखा। उनका मानना है कि उन्हें मेनस्ट्रीम के करियर्स के अलावा किसी और करियर के बारे में जानकारी नहीं है, इसलिए वे मेनस्ट्रीम के करियर्स की तरफ ही भागते हैं। हालांकि इसमें अभिभावकों की गलती नहीं है, क्योंकि जिस चीज के बारे में उन्हें पता है ही नहीं, उस फील्ड में कोई भी अपने बच्चे को कैसे भेज सकता है। दूसरा कारण यह हो सकता है कि आज सबको सिक्नोरिटी चाहिए। ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि परंपरागत कोर्सों में सिक्नोरिटी ज्यादा होती है, इसलिए वे उधर ही जाना पसंद करते हैं। एक कारण यह भी है कि पता चला पड़ोसी शर्मा जी का बेटा इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा है तो वर्मा जी भी अपने बेटे को इंजीनियर ही बनाना चाहते हैं, जबकि उनका बेटा एनिमेशन में जाना चाहता है।

चीजों के बाजारू हो जाने से ज्यादा पांपुलर हो गए हैं। इस तरह के नए करियर रोज जन्म ले रहे हैं, इसलिए अभी यहाँ अवसरों की कोई कमी नहीं है।

### कैसे पार पाएं समस्या से

रिक्तिका और उसके घर वाले इस बात से परेशान हैं कि आखिर उसे किस तरह का करियर चुनना चाहिए। घर में सबकी अलग-अलग राय है। ऐसे में सही करियर चुनना किसी चुनौती से कम नहीं है। करियर काउंसलर आधुनिका सलाह देती हैं कि उन्हें एक साइकोमेट्रिक एसेसमेंट करवा लेना चाहिए। इससे रिक्तिका को सही रास्ता मिल सकता है। बच्चे मानसिक रूप से अपरिपक्व होते हैं, इसलिए उनके लिए सही-गलत का फैसला लेना संभव नहीं होता। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे अपनी इच्छाएं बच्चों पर हावी न होने दें। साइकोमेट्रिक टेस्ट द्वारा सब कुछ साफ हो जाएगा। इसके लिए किसी अच्छे करियर काउंसलर का सहारा लेना चाहिए। इस टेस्ट के द्वारा बच्चे के अंदर मौजूद मोटिवेशन लेवल, इन्टरेस्ट, एटीट्यूड, पर्सनैलिटी और रिस्कलेस के बारे में पता चल जाता है।

### कैसे करें ऑफ बीट कोर्सों का चुनाव

कुमुकुम जैन कहती हैं कि जिन विषयों में आपका मन लगता है, उन विषयों को चुनिए। घर वालों या समाज के दबाव में आकर करियर का चुनाव आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। आप अपनी रुचि के अनुसार कोर्सों का चुनाव करें। ऑफ बीट कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले उस फील्ड के जानकार कुछ लोगों से सलाह कर लें, तभी अपना कदम उठाएं। देखा गया है कि आमतौर पर गैर-परंपरागत कोर्स परंपरागत कोर्सों की तुलना में ज्यादा आसान होते हैं। अगर आपको विज्ञान और गणित जैसे विषय मुश्किल लगते हैं तो आप कोई ऐसा कोर्स कर सकते हैं, जहाँ दोनों विषय आपको परेशान न करें।

### करियर की सुनहरी संभावनाएं

लोक से परे ऑफबीट विषयों में करियर की जबरदस्त संभावनाएं छिपी हुई हैं। आधुनिका मानती हैं कि ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को परंपरागत कोर्सों की तरफ भेजते हैं, इसलिए गैर परंपरागत कोर्सों में ज्यादा अच्छे अवसर होते हैं और कठिन प्रतियोगिता का सामना भी नहीं करना पड़ता। उदाहरण के लिए सभी लोगों को लगता है कि सामाजिक कार्यों को करने में पैसा नहीं मिलता, ये तो समाज सेवा का काम है, जबकि सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे देशी-विदेशी एनजीओ जबरदस्त सेलरी पैकेज देते हैं, जो किसी भी इंजीनियर को मिलने वाले सेलरी पैकेज के बराबर ही होता है। इसलिए जैसे-जैसे जानकारी बढ़ेगी, करियर की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

### वया जोखिम लेना सही है

आधुनिका के अनुसार ऑफ बीट कोर्सों को करने में जोखिम जैसी कोई बात नहीं है। हां, क्योंकि अभी इस तरह के करियर अपना स्वरूप ले रहे हैं, इसलिए थोड़ा संघर्ष जरूर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको इस तरह के कोर्स करने के बाद पछताना पड़े। वयों लें जोखिम राजधानी दिल्ली के गवर्नमेंट को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लक्ष्मीबाई नगर में करियर काउंसलिंग की शिक्षक कुमुकुम जैन कहती हैं कि ऑफ बीट करियर देश में मल्टीनेशनल कंपनियों के आने और सब

विशेषज्ञ मानते हैं कि फॉरेन को गैर परंपरागत कोर्सों के बारे में अपना नजरिया बदलना होगा। उन्हें समझना होगा कि समय के साथ रोजगार देने और लेने के पैमाने भी बदल चुके हैं। अगर फॉरेन इन बदलावों को नहीं समझें और अपनी इच्छाओं को बच्चों पर थोपेंगे तो उनके और बच्चों के बीच में एक बड़ा वैचारिक अंतर भी पैदा हो सकता है। अगर आप समय के अनुसार रोजगार नहीं अपनाएंगे तो हो सकता है कि जिन ट्रेडिशनल कोर्सों पर आपको इतना विश्वास है, वो आने वाले समय में रोजगार न दे पाएँ, क्योंकि नए कोर्सों आज की इंडस्ट्री की जरूरतों और रोजगार के क्षेत्र में आ रहे हैं, इसलिए उनमें रोजगार की ज्यादा अच्छी संभावनाएं हैं।

उदाहरण के लिए मेडिकल क्षेत्र को ही ले लीजिए, एक समय में हमारा स्वास्थ्य पूरी तरह से नीम-हकीमों पर निर्भर करता था, लेकिन आज उनकी जगह ट्रेड चिकित्सकों ने ले ली है। अगर आप अपने बच्चे को नीम-हकीम बनाएंगे तो वो पूरी तरह से आउटडेटेड हो जाएगा। इसलिए आउटडेटेड होने से बेहतर है समय के अनुसार अपने आपको अपग्रेड करिए और बेहतर रोजगार पाइए।



# JAGANNATH UNIVERSITY

{Established by an Act of the Govt. of Rajasthan & approved by UGC}  
An ISO 9001:2008 Certified Institution

Time of your life which will

## Define Your Lifetime!

The transition from school to college is like childhood to adulthood, enforced discipline to self discipline, protected life to life on your own terms..... a sea of change which brings in the added responsibility to stand on your own feet, carve your destiny and build a foundation which will be the cornerstones of your lifetime development. Jagannath University, a part of Jagannath Gupta Memorial Educational Society (JIMS) with almost 20 years of experience in Education has always striven to provide such an environment, wherein each student gets appropriate opportunity to thrive and become a responsible human being. An environment which is not only intellectually inspiring, also gives the student the freedom to express creativity and individuality.

Admissions open for the Academic session 2012

- ENGINEERING  
M.Tech. / B.Tech.
- INFORMATION TECHNOLOGY  
MCA / BCA
- ARCHITECTURE (Approved by COA)  
B.Arch (5 yrs)
- LAW (Approved by BCI)  
LLM / BA.LL.B / BBA.LL.B
- DESIGN  
B.Des (Fashion/Interior/Jewellery)
- MANAGEMENT  
MBA / BBA
- MASS COMMUNICATION  
MMC / BMC
- SCIENCE  
M.Sc. Physics
- HOSPITALITY & CATERING  
BHMCT / B.Sc (Hospitality)
- RESEARCH & DEVELOPMENT  
Ph.D (Mgmt./Engg./CS/IT/Mass Com./Law)

100% scholarship for Meritorious students

100% Placement Assistance

Distinguished Faculty from Industry & Academia

50 Acres of lush green Wi-Fi enabled Campus

Educational Foreign Tour

### OUR ACADEMIC PARTNERS

### OUR RECRUITERS

ORACLE INDIA

SAP

SYNTEL

Sharekhan

Infosys

NIIT

vodafone

HDFC BANK

ICICI Bank

Satyam

Birlasoft

Infinitivaults

LARSEN & TOUBRO

patni

Tech Mahindra

nagarro

kotak

TATA CONSULTANCY SERVICES

Jagan Nath University Entrance Examination (JUÉE) on 10th June 2012

Helpline No. 9509081234 / 9990681666

Chaksu Campus: Rampura, Chaksu, Jaipur-303901

Sitapura Campus: IP-2 & 3, Phase IV, Sitapura Indl. Area, Opp. Chokhi Dhani, Jaipur-302022

Contact: 0141-3020500/555, 4071551/552

E-mail: admission@jagannathuniversity.org Website: www.jagannathuniversity.org

## वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर प्रकृति से है प्यार तो आएँ इस पार

शेर के शिकार के लिए की गई हलचल हो या फिर जब मोर अपने खूबसूरत रंगीन पंखों को खुद में समेट रहा हो, एक वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर वन्य जीवों की इन्हीं प्राकृतिक आदतों को अपने कैमरे में कैद करता है। यह एक ऐसा पेशा है, जहाँ प्रकृति से लगाव, जीवों से प्यार और उससे भी कहीं अधिक उनसे अपनेपन का अहसास होना जरूरी है। इसके अलावा विषय का जानकार होना भी बेहद जरूरी है। ऐसे ही गुण वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर की दुनिया को खास बनाते हैं। फोटोग्राफी रिकॉर्डिंग को लगातार सीखने की लगन भी वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर को कुछ अलग बनाती है। मेहनत व लगन से किया काम जब किसी मैगजीन या प्रदर्शनी का हिस्सा बनता है और उसकी सशहना की जाती है तो वे पल उस फोटोग्राफर को असल संतुष्टि देते हैं।

साकार कर सकते हैं। अगर आप नए हैं तो आपके लिए यह बेहद जरूरी है कि आप अपने आसपास की हरकतों पर गौर करना शुरू करें और उन्हें अपने कैमरे में कैद करते रहें।

(शेष पेज 3 पर)



### योग्यता

ऐसा कोई सीधा रास्ता नहीं, जिस पर चल कर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर बना जा सके। आप के हाथों में जैसे ही कैमरा आता है, आप वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर बनने का सपना